कई लोग—यहाँ तक कि कुछ ईसाई भी—आने वाले न्याय दिवस के बारे में सुनते ही घबराने लगते हैं। भगवान के सामने खड़े होने का विचार उन्हें डर और चिंता में डाल देता है। लेकिन अच्छी खबर यह है कि बाइबिल हमें आश्वस्त करती है कि ईश्वर के न्याय से बचना संभव है।

विश्वास करने वालों के लिए ईश्वर का वादा

यीशु ने कहा:

यूहन्ना 5:24
“सच, सच मैं तुमसे कहता हूँ, जो मेरी बात सुनता है और जिसने
मुझे भेजा उस पर विश्वास करता है, वह जीवन पाता है और न्याय
में नहीं आता, बल्कि मृत्यु से जीवन में पहुँच गया है।”

यह पद हमें मुक्ति की निश्चितता सिखाता है—जो लोग सच्चे दिल से यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं, उन्हें अनंत जीवन मिलता है और वे निंदा के डर से मुक्त रहते हैं। “मृत्यु से जीवन में पहुँच गया” का अर्थ है कि उनके जीवन में आध्यात्मिक परिवर्तन पहले ही हो चुका है। वे अब निंदा के अधीन नहीं हैं, बल्कि मसीह में जीवित हैं (देखें रोमियों 8:1)।

सच्चा विश्वास क्या है?

क्या विश्वास केवल दिमाग से मान लेना या सिर्फ जुबानी स्वीकारोक्ति है? बाइबिल सतही विश्वास के खिलाफ चेतावनी देती है:

याकूब 2:19
“तुम विश्वास करते हो कि ईश्वर एक है; अच्छा किया। दैत्य भी विश्वास करते हैं—और कांपते हैं!”

दैत्य तथ्यों को मानते हैं, लेकिन वे खोए रहते हैं। सच्चा विश्वास वह है जो आज्ञाकारिता और जीवन में परिवर्तन की ओर ले जाए (याकूब 2:17)।

विश्वास को दिखाने के लिए आज्ञाकारिता और पश्चाताप जरूरी है

एक उदाहरण सोचिए: अगर आप चौराहे पर हों और दो रास्ते अलग-अलग दिशाओं में जा रहे हों, तो मंज़िल तक पहुँचने के लिए सही रास्ते पर चलना ही जरूरी है—केवल यह मान लेना कि रास्ता मौजूद है, पर्याप्त नहीं।

इसी तरह, विश्वास के साथ पश्चाताप होना चाहिए—अपने पाप से

मुड़ना और यीशु के मार्ग पर चलना:

प्रेरितों के काम 3:19
“इसलिए तुम पश्चाताप करो और लौटो, ताकि तुम्हारे पाप मिट जाएँ।”

पश्चाताप का मतलब है अपने मन और हृदय में बदलाव लाना और ईश्वर की इच्छा के अनुसार नया जीवन जीना।

सच्चे विश्वास के संकेत

यदि आपने सच में पश्चाताप किया और बपतिस्मा लिया है, तो आपका जीवन इस बदलाव को दिखाना चाहिए:

पापी आदतों (जैसे व्यभिचार, मदिरापान, अनैतिकता) से दूर होना
पवित्रता और धर्म का पालन करना
आध्यात्मिक फल देना (गलातियों 5:22-23)

2 कुरिन्थियों 5:17
“इसलिए यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है; पुरानी बातें बीत गईं; देखो, सब कुछ नया हो गया।”

यह लगातार होने वाला परिवर्तन सच्ची मुक्ति की पुष्टि करता है।

मुक्ति कृपा से होती है, पूर्णता से नहीं

मुक्ति ईश्वर की कृपा से मिलती है—उनकी अनुकम्पा से, हमारे कर्मों से नहीं:

इफिसियों 2:8-9
“क्योंकि तुम विश्वास के द्वारा कृपा से उद्धार पाए; यह तुम्हारे अपने प्रयास से नहीं है, यह ईश्वर का उपहार है; न कि कर्मों से, ताकि कोई घमंड न करे।”

ईश्वर अब पूर्णता की मांग नहीं करते, बल्कि एक ईमानदार दिल चाहते हैं जो उन्हें खोज रहा हो। अगर हम पूर्ण परिपक्वता से पहले मर भी जाएँ, तो ईश्वर हमें धार्मिक मानते हैं, यदि हम विश्वास और पश्चाताप के मार्ग पर चल रहे हैं।

पीछे मुड़ने से चेतावनी

लोत और उसकी पत्नी की कहानी (उत्पत्ति 19) इसे स्पष्ट करती है। लोत बच गया क्योंकि उसने ईश्वर की चेतावनी का पालन किया और भागा। लेकिन उसकी पत्नी पीछे देखी—जो पाप से पूरी तरह दूर न होने का प्रतीक है—और वह खो गई।

इब्रानियों 10:38-39
“पर धर्मी विश्वास से जीवित रहेगा; और यदि कोई पीछे हटे, तो मेरा मन उसके प्रति प्रसन्न नहीं होता। परन्तु हम उन लोगों में से नहीं हैं जो पीछे हटकर नाश की ओर जाते हैं, बल्कि उन लोगों में हैं जो विश्वास करके आत्मा की मुक्ति पाते हैं।”

ईश्वर हृदय के इरादों को देखते हैं

ईश्वर केवल बाहरी कर्मों को नहीं देखते, बल्कि हृदय को देखते हैं:

1 शमूएल 16:7
“यहोवा मनुष्य जैसा नहीं देखता; क्योंकि मनुष्य केवल बाहरी रूप देखता है, परन्तु यहोवा हृदय देखता है।”

एक ईमानदार हृदय जो धर्म की खोज करता है, वैसा जीवन जीने का प्रयास करेगा, और ईश्वर इसे धार्मिकता के रूप में मानते हैं।

कार्रवाई का आह्वान: अपने जीवन से विश्वास दिखाएँ

यदि आप न्याय से बचना चाहते हैं:

अपने पाप ईमानदारी से स्वीकारें (1 यूहन्ना 1:9)
पश्चाताप करें और सभी पापी आदतों से दूर रहें
यीशु को अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें (रोमियों 10:9-10) ईश्वर के वचन के अनुसार रोज़ाना आज्ञाकारिता में चलें

निंदा से मुक्ति का आश्वासन

रोमियों 8:1
“इस प्रकार अब मसीह यीशु में रहने वालों पर कोई निंदा नहीं है।”

यह ईसाई आशा की नींव है—मसीह में विश्वास और पश्चाताप के द्वारा हम न्याय से मुक्त हो जाते हैं।

ईश्वर आपको आशीर्वाद दें कि आप विश्वास में चलें और यीशु द्वारा प्रदान की गई स्वतंत्रता में जीवन जिएँ!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:

WhatsApp